Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : प्रथम
नाट्यसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. नाट्यशास्त्र का परिचय देते हुए - 18वें अध्याय के किन्हीं पाँच श्लोकों की व्याख्या करें। (पूर्वार्द्ध)
2. काव्य प्रकाश के सप्तम उल्लास से रसदोष निरूपण उदाहरण सहित समझाइये।
3. नाट्यशास्त्र के छठें अध्याय में से किन्हीं तीन कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या करें।
4. नाट्यशास्त्र के छठें अध्याय में वर्णित नवरसों का विस्तृत परिचय दीजिए।
5. वर्तमान काल में प्राचीन नाट्यशास्त्र तथा काव्य का क्या महत्व है? इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. नाट्यशास्त्र के प्रणेता कौन हैं? परिचय लिखिए।
2. स्थायी भावों का विवेचन प्रस्तुत करें।
3. प्रस्तुत श्लोक की व्याख्या करें-
   "प्रवेशाक्षेपनिष्क्रामप्रासादिकमथान्तरम्।
   गानं पञ्चविधंज्ञेयं ध्रुवायोगसमन्वितम"।।
4. प्रस्तुत श्लोक की व्याख्या करें -
   "आश्रयैक्ये विरुद्धो यः सकार्यो भिन्न संश्रयः।
   रसान्तरेणान्तरितो नैरन्तर्येणथो रसः।।
5. काव्य प्रकाश के रचनाकार कौन हैं? विस्तृत परिचय दीजिए।
6. नाट्यशास्त्र के उत्तरार्द्ध में-से किन्हीं दो श्लोकों को लिखिए।
7. भरतमुनि के द्वारा साहित्य सेवा का विवेचन प्रस्तुत करें। (भारतीय अभिनय परम्परा में भरतमुनि का योगदान स्पष्ट करें।)

----------X----------